संक्षेप में

एसजेवीएन का लाभ दोगुना से अधिक हुआ

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एसजेवीएन का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 657.72 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 307.60 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। एसजेवीएन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,290.31 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,078.29 करोड़ रुपये थी। *भाषा*

एथर इंड. का मुनाफा 26.62 प्रतिशत बढ़ा

विशेष रसायन बनाने वाली कंपनी एथर इंडस्ट्रीज का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 26.62 प्रतिशत बढ़कर 67.99 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 53.95 करोड़ रुपये था। एथर इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में शुक्रवार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 23.95 प्रतिशत बढ़कर 347.21 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 280.1 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में उसका मजबूत वित्तीय प्रदर्शन का कारण मुख्य रूप से अनुबंध विनिर्माण कारोबार के विस्तार, बड़े पैमाने पर विनिर्माण मॉडल का बढ़ता योगदान और कारोबार का बेहतर प्रदर्शन है। *भाषा*

आदित्य बिड़ला कैपिटल का मुनाफा उछला

आदित्य बिड़ला कैपिटल का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 38 प्रतिशत बढ़कर 1,288 करोड़ रुपये रहा। विभिन्न कारोबारों में मजबूत वृद्धि से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 933.52 करोड़ रुपये था। *भाषा*

जियो प्लेटफॉर्म्स का मुनाफा 13 फीसदी बढ़ा

बीएस संवाददाता/भाषा
नई दिल्ली/मुंबई, 30 अक्टूबर

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी, रिलायंस जियो की मूल कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 13.7 फीसदी बढ़कर 8,387 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 7,379 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व 11.4 फीसदी बढ़कर 40,475 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले साल की इसी तिमाही में यह 36,332 करोड़ रुपये था।

पिछली तिमाही यानी अप्रैल-जून के मुकाबले भी कंपनी के मुनाफे और राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। पहली तिमाही में कंपनी का मुनाफा 7,764 करोड़ रुपये और राजस्व 39,173 करोड़ रुपये था। जियो प्लेटफॉर्म्स ने 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में अपनी शुरुआत की। कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 30,188 करोड़ रुपये जुटाए। इसे भारत का अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बताया गया।

कंपनी के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने नतीजों के बाद विश्लेषकों के साथ बातचीत में बताया कि कंपनी करीब 30,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती थी लेकिन निवेशकों की ओर से 7.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बोलियां मिलीं। उन्होंने कहा, 'बड़े संस्थागत निवेशकों से लेकर छोटे और बड़े अति धनाढ्य निवेशकों (एचएनआई), खुदरा निवेशकों, कर्मचारियों और कंपनी के शेयरधारकों तक सभी श्रेणियों में जबरदस्त मांग देखने को मिली।'

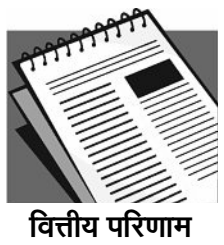
रिलायंस रिटेल का शुद्ध लाभ 24.3 फीसदी घटा

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत घटकर 2,611 करोड़ रुपये रह गया है।



जेपीएल आईपीओ ने सभी निवेशक श्रेणियों में बनाया रिकॉर्ड

कंपनी की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने आय विज्ञप्ति में बताया, 'हमारे स्टोर और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों का भरोसा और उनका लगातार जुड़ाव हमारी वृद्धि के लिए सबसे अहम है। हम अपने बड़े स्टोर नेटवर्क को डिजिटल सुविधाओं, तकनीक और भारतीय ग्राहकों की गहरी समझ के साथ जोड़ रहे हैं और भविष्य के लिए रिटेल बिजनेस बना रहे हैं। तेजी से बढ़ते डिजिटल कॉमर्स और बी2बी चैनलों वाला यह नया मॉडल अच्छा काम कर रहा है और इसे ऑफलाइन बिजनेस से होने वाले मुनाफे से वित्त दिया जा रहा है। टिकाऊ और मुनाफे वाली वृद्धि में लगातार निवेश के जरिये, हम इस त्योहारी सीजन में पूरे देश के ग्राहकों को अच्छी गुणवत्ता, सही वैल्यू और कई विकल्प देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' रिलायंस रिटेल का परिचालन से प्राप्त एबिटा 11.1 प्रतिशत घटकर 5,886 करोड़ रुपये रह गया। सितंबर में समाप्त तिमाही में उसकी वित्तीय लागत सालाना आधार पर 53.9 प्रतिशत बढ़कर 905 करोड़ रुपये हो गई।


वित्तीय परिणाम

बैंक ऑफ बड़ौदा ने सर्वाधिक तिमाही मुनाफा दर्ज किया

सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ बड़ौदा ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2027 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 36 प्रतिशत बढ़कर 6,532 करोड़ रुपये हो गया है। यह बैंक का अब तक का सबसे अधिक तिमाही मुनाफा है। इसमें एनएसई के शेयरों की बिक्री (आईपीओ के जरिये) से मिली गैर-ब्याज आय (एनआईआई) में हुई भारी बढ़ोतरी का बड़ा योगदान रहा।

दूसरी तिमाही में बैंक की एनआईआई सालाना आधार पर 9 प्रतिशत बढ़कर 13,026 करोड़ रुपये हो गई, जबकि गैर-ब्याज आय सालाना आधार पर लगभग 96 प्रतिशत बढ़कर 6,881 करोड़ रुपये रही। बैंक को दूसरी तिमाही में 4,093 करोड़ रुपये की ट्रेजरी इनकम हुई, जो वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में 1,086 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 893 करोड़ रुपये थी। बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) पिछली तिमाही के मुकाबले 3 आधार अंक घटकर वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में 2.74 प्रतिशत रह गया। बैंक के प्रावधानों में काफी बढ़ोतरी हुई है और ये सालाना आधार पर 93 प्रतिशत बढ़कर 2,382 करोड़ रुपये हो गए।

सन फार्मा का मुनाफा 36% घटा, रेवेन्यू बढ़ा

भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को बताया कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 36 फीसदी घटकर 1,988.5 करोड़ रुपये रह गया है। मुनाफे में यह गिरावट कुछ विशेष खर्चों की वजह से आई है। परिचालन राजस्व 11.9 फीसदी बढ़कर 16,198.7 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 1,268.8 करोड़ रुपये के असाधारण खर्च दर्ज किए। इनमें अमेरिका में चल रहे एक एंटीट्रस्ट मुकदमे के निपटारे के लिए 922.7 करोड़ रुपये और ऑर्गेनन के प्रस्तावित अधिग्रहण से जुड़े 346.2 करोड़ रुपये के खर्च शामिल हैं। इन असाधारण मदों को हटा दें, तो कंपनी का समायोजित शुद्ध लाभ 3,162 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 1.4 प्रतिशत अधिक है। एबिटा 4.8 प्रतिशत बढ़कर 4,743.9 करोड़ रुपये हो गया और मार्जिन 29.3 प्रतिशत रहा। कंपनी ने कहा कि मार्जिन एक साल पहले की तुलना में कम था क्योंकि पिछले साल की तिमाही में जेनेरिक लेनालिडोमाइड की बिक्री से फायदा हुआ था।

खर्च बढ़ने से मैक्स हेल्थकेयर का मुनाफा घटा

मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड (एमएचआईएल) ने बताया है कि वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में उसके समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 15.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण परिचालन और टैक्स खर्चों में बढ़ोतरी है। दिल्ली की इस हॉस्पिटल चेन ने दूसरी तिमाही में 414.45 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 491.3 करोड़ रुपये था।

कंपनी का परिचालन खर्च, जिसमें कर्मचारियों के लाभ, दवाओं की खरीद और फाइनेंस लागत जैसे खर्च शामिल हैं, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 2,069 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, सितंबर तिमाही में कंपनी का कर संबंधित खर्च बढ़कर 126.47 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में 45.27 करोड़ रुपये का टैक्स क्रेडिट मिला था। कंपनी का परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16.8 प्रतिशत बढ़कर 2,569 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 2,135 करोड़ रुपये था।

इंडियन ऑयल के मुनाफे में 174 फीसदी की बढ़ोतरी

सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 174 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 22,503 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 8,191 करोड़ रुपये था। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण आईओसी को पिछली तिमाही में 1,141 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

आईओसी ने बताया कि सितंबर तिमाही में मुनाफे की मुख्य वजह जुलाई से अगस्त के मध्य तक कच्चे तेल की कीमतों में आई अस्थायी गिरावट और पेट्रोकेमिकल तथा गैस सेगमेंट से मिला मजबूत मार्जिन था। लेकिन कंपनी ने चेतावनी दी है कि आने वाली तिमाहियों में मुनाफे पर बुरा असर पड़ सकता है क्योंकि पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है, जिससे उसके पास पहले से मौजूद भंडार को नुकसान हो सकता है।

दूसरी तिमाही के दौरान रिफाइनिंग मार्जिन में हुई भारी बढ़ोतरी ने कंपनी को पेट्रोल और डीजल की बिक्री से हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद की है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भारी मार्केटिंग नुकसान उठाना पड़ रहा है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद उन्होंने खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। सितंबर तिमाही में इंडियन ऑयल का परिचालन से प्राप्त राजस्व सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 2.68 लाख करोड़ रुपये हो गया। बीएस

गेल का लाभ हुआ दोगुना

शुभांगी माथुर
नई दिल्ली, 30 अक्टूबर

गेल (इंडिया) ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 138 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध लाभ 4,724 करोड़ रुपये रहा जो पिछले साल इसी अवधि में यह 1,989 करोड़ रुपये था। भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद इस तिमाही में गेल का ट्रांसमिशन और प्राकृतिक गैस मार्केटिंग का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा। कंपनी ने सभी प्रमुख सेगमेंट में अच्छी बिक्री दर्ज की।

सरकारी गैस वितरक कंपनी का परिचालन से प्राप्त राजस्व सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 47,301 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के बोर्ड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गेल गैस लिमिटेड (जीजीएल) को आईपीओ के जरिये सूचीबद्ध करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसके तहत कंपनी अपनी 25 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी कम करेगी।

कंपनी के चेयरमैन और प्रबंधन निदेशक दीपक गुप्ता ने कहा, 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में, हमारी टीमों ने अद्भुत मजबूती और चुस्ती दिखाई है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहे। हमारी सबसे पहली प्राथमिकता ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना और बिना किसी रुकावट के आपूर्ति बनाए रखना रही है।'

परिशिष्ट–IV-A अचल संपत्ति/यों हेतु ई–नीलामी सार्वजनिक बिक्री सूचना
वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के सहपठित नियम 8(6) के प्रावधान के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय ई–नीलामी सूचना
पंजीकृत कार्यालय : 9वां तल, अन्तरिक्ष भवन, 22, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली–110001, फोन नं. 011-23357171, 23357172, 23705414, वेबसाइट : www.pnbhousing.com
शाखा कार्यालय : प्रथम तल, 46, अहुजा टॉवर, नैपियर टॉउन, जबलपुर, मध्य प्रदेश–482001

एतद्द्वारा आम तौर पर जनता को और विशेष रूप से कॉलम नंबर–ए में इंगित उधारकर्ता(ओं) और गारंटर(ओं) को सूचना दी जाती है कि निम्न वर्णित अचल संपत्ति(यों) जो कॉलम नंबर–डी में वर्णित है प्रत्याभूत ऋणदाता को बंधक/प्रभारित हैं, जिसमें से रचनात्मक/भौतिक कब्जा (जैसा कि कॉलम नंबर–सी में वर्णित है) को **मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड**/प्रत्याभूत ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "**जो जहां है, जो है जैसा है, और वहां जो कुछ भी है आधार**" पर निम्न उल्लेखित विवरण के अनुसार बेचा जाएगा। एतद्द्वारा संबंधित उधारकर्ता(ओं)/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, (चाहे ज्ञात हो या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं), संपत्तिभागि(यों) को सूचना दी जाती है चूंकि इस मामले को आज की दिनांक में संशोधित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियमों के नियम–8(6) और 9 के तहत कॉलम संख्या–ए में दर्शाया जा सकता है। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया **मैसर्स पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, प्रत्याभूत ऋणदाता की वेबसाइट यानी www.pnbhousing.com** में दिए गए लिंक का संदर्भ लें।

ऋण सं./उधारकर्ता /सह–उधारकर्ता /गारंटर(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी का नाम (A)	मांग राशि और दिनांक (B)	कब्जे का प्रकार (C)	बंधक संपत्तियों का विवरण (D)	आरक्षित मूल्य (आरपी) (E)	ईएमडी (आरपी का 10%) (F)	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक (G)	बोली वृद्धि मूल्य (H)	निरीक्षण की दिनांक और समय (I)	नीलामी की दिनांक और समय (J)	ज्ञात ऋण भार/न्यायालय मुकदमा अगर कोई है(K)
HOU/JBL/0821/909197 अशोक कुमार विश्वकर्मा/सुनिता विश्वकर्मा/ अनिल कुमार शिल्पाचारी शाखा : जबलपुर	रुपये 1017500/– दिनांक 23.12.2025 तक	भौतिक	259/2, 261/3 का हिस्सा, प्लॉट सं. ई3ब्ल्यूएस 5 फैज 1, पैराडाइस सिटी, पैराडाइस गृह निर्माण समिति, आधारताल, जबलपुर, मध्य प्रदेश– 482004	रु. 968000	रु. 96800	28.11.2026	रु. 10,000	19.11.2026 सायं 1:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक	30.11.2026 अपराह्न 02:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक	*कोई नहीं/ ज्ञात नहीं

*आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान की दिनांक तक खर्च किए और/या वसूली के रूप में एक साथ लागू @18% वार्षिक भविष्य के ब्याज के साथ** पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी और सूचना में ऊपर वर्णित अचल/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों के संबंध में कोई अन्य भार/दावा नहीं है, केवल कॉलम नंबर–के में उद्घाटित को छोड़कर। इसके अलावा सफल क्रेता/बोलीदाता द्वारा अपने द्वारा इस प्रकार की भार ओं को पूरा/भुगतान किया जाना चाहिए। संभावित क्रेता/बोलीदाताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे उल्लेखित भार की सत्यता का स्वतंत्र रूप से पता लगाएं।
(1) आज की दिनांक में, पीएनबीएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी को उसके अचल संपत्तियों/प्रत्याभूत परिसंपत्तियों को बेचने, विमुख करने और/या निपटाने से कोई आदेश निरोधक और/या न्यायालय निषेधाज्ञा नहीं है। (2) संभावित क्रेता/बोलीदाता और इच्छुक पक्ष स्वतंत्र रूप से कार्यवाही/पारित आदेशों आदि में सिफारिश का निरीक्षण कर सकते हैं। यदि कोई हो, कॉलम नं. के में वर्णित है। जिसमें पीएनबीएचएफएल के पास उपलब्ध दस्तावेजों के शीर्षक के शीर्षक तक सीमित नहीं है और निविदा/बोली आवेदन पत्र जमा करने या प्रस्ताव(ओं) बनाने से पहले सभी मामलों में खुद की संतुष्टि कर लें। बोली लगाने वाले को बोली फॉर्म के साथ–साथ इस नीलामी के नियमों और शर्तों पर हस्ताक्षर करने होंगे। (3) कृपया ध्यान दें कि प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(3) के संदर्भ में, बोलीदाता(ओं)/क्रेता कानूनी रूप से बिक्री मूल्य की राशि का 25% जमा करने के लिए बाध्य है, (बयाना पैसे शामिल है, यदि कोई हो, जमा) एक ही दिन या अगले कार्य दिवस से बाद में नहीं। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(2) के अनुसार प्रत्याभूत ऋणदाता द्वारा बिक्री मूल्य का 25% प्राप्त होने के बाद ही (बोलीदाता(ओं) के पक्ष में बिक्री की पुष्टि की जा सकती है। बिक्री राशि का शेष 75% बिक्री पुष्टि पत्र की पावती की दिनांक से 15 दिनों के भीतर क्रेता द्वारा जमा किया जाना है और इस जमा के चूक में, संपत्ति/प्रत्याभूत परिसंपत्ति की फिर से बेचा जाएगा। (4) **मेसर्स सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ई–नीलामी के माध्यम से बिक्री करने में प्राधिकृत अधिकारी की सहायता करेगा। जिसका कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट सं.68, तीसरा तल, सेक टर 44, गुड़गांव, हरियाणा 122003, वेब साइट–www.bankeauctions.com संपत्ति के निरीक्षण या बोली दस्तावेज प्राप्त करने या किसी अन्य जानकारी या पंजीकरण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, आपको पीएनबीएचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी श्री विवेक लोधा से टोल फ्री नं. 1800 120 8800, ईमेल : auction@pnbhousing.com के साथ समन्वय करना होगा या www.pnbhousing.com का संदर्भ लेना होगा।**

स्थान : जबलपुर, दिनांक : 30.10.2026 हस्ता./– प्राधिकृत अधिकारी, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

CFM thoughtful regeneration

सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
कॉर्पोरेट कार्यालय: प्रथम तल, वेकफील्ड हाउस, स्प्रोट रोड, बैलार्ड ईस्ट, मुंबई - 400038

कब्जा सूचना
परिशिष्ट IV (अचल संपत्ति के लिए) नियम 8 (1) के साथ पठित

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतीकरण तथा पुनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अंतर्गत सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (सीएफएमएआरसी ट्रस्ट-219 के रूप में कार्य करते हुए) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12), 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग सूचना जारी की थी, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। इसके अतिरिक्त, द ऑक्सिजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने धारा 5 सरफेसी (SARFAESI) अधिनियम 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत द ऑक्सिजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड तथा सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के बीच निष्पादित असाइनमेंट समझौते दिनांक 23-03-2026 के माध्यम से सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में अंतर्निहित प्रतिभूतियों के साथ उपर्युक्त ऋण खाते के संपूर्ण बकाया ऋण के अपने सभी अधिकार, स्वत्व तथा हित हस्तांतरित कर दिए हैं। सीएफएमएआरसी द्वारा भौतिक कब्ज़ा ली गई बंधक संपत्ति के साथ पक्षों का विवरण नीचे दिया गया है:-

ग्राहक का नाम (ऋणधारक / सह-ऋणधारक तथा गारंटक / भागीदार / बंधककर्ता)	मांग सूचना तिथि तथा राशि (रु. में)	भौतिक कब्ज़ा की तिथि
हरि नारायण ठाकुर (ऋणधारक), सचिन (सह-ऋणधारक), वंदना बाई (सह-ऋणधारक) **ऋण खाता संख्या:** OXYTL01XTN6S	**मांग सूचना तिथि:** 15-05-2026 **राशि:** Rs. 4,90,536/- (केवल चार लाख नब्बे हजार पांच सौ छत्तीस रुपये) 20-05-2026 तक	**29-10-2026**
बंधक संपत्ति : मकान नंबर 40, ग्राम भेरूपुर, ग्राम पंचायत-भेरूपुर, तहसील-आष्टा, सीहोर, मध्य प्रदेश, 466116, **सीमाएं:** उत्तर: बलराम सिंह का मकान, दक्षिण: भेरू सिंह का मकान, पूर्व: आम रास्ता, पश्चिम: बलराम सिंह का मकान		
हरिसिंह (ऋणधारक), जसराथ (सह-ऋणधारक), सचिन ठाकुर (सह-ऋणधारक) **ऋण खाता संख्या:** OXYTL015HUNY	**मांग सूचना तिथि:** 15-05-2026 **राशि:** Rs. 4,53,967/- (केवल चार लाख तिरपन हजार नौ सौ सड़सठ रुपये) 20-05-2026 तक	**28-10-2026**
बंधक संपत्ति : मकान नंबर 24, पटवारी हल्का नंबर 34, ग्राम कॉलोनी आमला मज्जू, ग्राम आमला मज्जू, तहसील जावर, जिला सीहोर, मध्य प्रदेश, 466120, **सीमाएं:** उत्तर: आम रास्ता, दक्षिण: स्वयं की भूमि, पूर्व: आम रास्ता, पश्चिम: लखन सिंह का मकान		
बाबू लाल (ऋणधारक), माया बाई (सह-ऋणधारक) **ऋण खाता संख्या:** OXYTL01R8XT	**मांग सूचना तिथि:** 15-05-2026 **राशि:** Rs. 4,15,666/- (केवल चार लाख पंद्रह हजार छह सौ छियासठ रुपये) 20-05-2026 तक	**28-10-2026**
बंधक संपत्ति : खसरा नंबर 38, प्लॉट नंबर 38, ग्राम गजाना, तहसील जावर, सीहोर, मध्य प्रदेश, 466120 (572 वर्ग फीट (53.16 वर्ग मीटर))। **सीमाएं:** उत्तर: मानसिंह का मकान, दक्षिण: आम रास्ता, पूर्व: जीवन सिंह की जगह, पश्चिम: कैलाश सिंह का मकान		
राजन सिंह (ऋणधारक), प्रहलाद सिंह (सह-ऋणधारक), संजू बाई (सह-ऋणधारक) **ऋण खाता संख्या:** OXYTL01A43UY	**मांग सूचना तिथि:** 15-05-2026 **राशि:** Rs. 3,21,344/- (केवल तीन लाख इक्कीस हजार तीन सौ चौवालीस रुपये) 20-05-2026 तक	**27-10-2026**
बंधक संपत्ति : मकान नंबर 63, पटवारी हल्का नंबर 00020, ग्राम - दारखेड़ा, ग्राम पंचायत दारखेड़ा, तहसील - जावर, सीहोर, मध्य प्रदेश, 466221, **सीमाएं:** उत्तर: जितेन्द्र सिंह का मकान, दक्षिण: दलेप सिंह का मकान, पूर्व: रास्ता, पश्चिम: अर्जुन सिंह की भूमि		
सूरज सिंह (ऋणधारक), कृष्णा बाई (सह-ऋणधारक), रुक्मणी ठाकुर (सह-ऋणधारक) **ऋण खाता संख्या:** OXYTL01G1G77	**मांग सूचना तिथि:** 15-05-2026 **राशि:** Rs. 3,04,532/- (केवल तीन लाख चार हजार पांच सौ बत्तीस रुपये) 20-05-2026 तक	**28-10-2026**
बंधक संपत्ति : मकान नंबर 100/2, ग्राम अमरपुरा, तहसील जावर, जिला सीहोर, सीहोर, मध्य प्रदेश, 466120, **सीमाएं:** उत्तर: राम जी की जगह, दक्षिण: रास्ता, पूर्व: रास्ता, पश्चिम: दलेप सिंह का मकान		
पवन कुमार (ऋणधारक), मान सिंह (सह-ऋणधारक), रामकुंवर बाई (सह-ऋणधारक) **ऋण खाता संख्या:** OXYTL01ER2AF	**मांग सूचना तिथि:** 15-05-2026 **राशि:** Rs. 3,17,587/- (केवल तीन लाख सत्रह हजार पांच सौ सत्तासी रुपये) 20-05-2026 तक	**27-10-2026**
बंधक संपत्ति : मकान नंबर 13, पटवारी हल्का नंबर-31, ग्राम - गुंजारी, तहसील-जावर, सीहोर, मध्य प्रदेश, 466118, **सीमाएं:** उत्तर: ज्ञान सिंह, दक्षिण: रास्ता, पूर्व: स्वयं की भूमि, पश्चिम: चेतन सिंह		

ऋणधारक राशि का पुनर्भुगतान करने में विफल रहे हैं, अतः इसके द्वारा ऋणधारकों तथा सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत तथा उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त "कब्ज़ा लेने की तिथि" स्तंभ में उल्लिखित तिथि को यहां ऊपर वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्ज़ा ले लिया है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लिखित ऋणधारकों तथा सामान्य जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे संपत्ति के संबंध में कोई सौदा न करें तथा संपत्ति के साथ किया गया कोई भी सौदा **सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड** के प्रभार के अधीन होगा, जो उपर्युक्त विवरणों में दर्शाई गई बकाया राशि की तिथि के ठीक अगले दिन से पूर्ण पुनर्भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक अनुबंधात्मक दर पर भावी ब्याज तथा प्रतिस्थानी ब्याज, आनुषंगिक व्यय, लागत तथा प्रभार आदि सहित इस सूचना में उल्लिखित राशि के लिए होगा। इसके अतिरिक्त, प्रतिभूत परिसंपत्तियों को विमोचित कराने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर ऋणधारक का ध्यान आकर्षित किया जाता है।
कृपया ध्यान दें कि संपत्तियों का विवरण ऊपर उल्लिखित अनुसार है।

तिथि : 31.10.2026 **प्राधिकृत अधिकारी, सीएफएम एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड**
स्थान : मध्य प्रदेश **(सीएफएमएआरसी ट्रस्ट - 219 के ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हुए)**

दूरसंचार कंपनियों को जिम्मेदार तरीके से करना होगा एआई का इस्तेमाल

गुलवीन औलख
नई दिल्ली, 30 अक्टूबर

देश में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के बीच दूरसंचार नियामक भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार कंपनियों के लिए जिम्मेदार तरीके से एआई इस्तेमाल को लेकर नए मसौदा नियमों का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव के तहत दूरसंचार अधिनियम के तहत लाइसेंसी संस्थाओं को अपने नेटवर्क और सेवाओं में इस्तेमाल एआई तंत्र के नतीजों के लिए जवाबदेह होना होगा। खास बात यह है कि एआई तंत्र कंपनी ने खुद बनाया हो या किसी दूसरी कंपनी से खरीदा हो लेकिन उसकी जिम्मेदारी संबंधित दूरसंचार कंपनी की ही होगी।

ट्राई के प्रस्ताव के मुताबिक, हर दूरसंचार कंपनी को अपनी आंतरिक एआई नीति तैयार करनी होगी और इसे कंपनी के निदेशक मंडल या समकक्ष प्रशासनिक संस्था से मंजूरी दिलाना भी जरूरी होगा। इसके अलावा एक समर्पित प्रशासनिक और सुरक्षा समिति स्थापित करनी होगी और साथ ही एआई से जुड़ी गंभीर घटनाओं की जानकारी नियामक को देनी होगी। ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सभी संबंधित पक्षों से 27 नवंबर तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं।

यह मसौदा नियम तब पेश किए जा रहे हैं कंपनियां अब अपने नेटवर्क और ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं में तेजी से एआई का इस्तेमाल कर रही हैं ताकि उनकी दक्षता बढ़े। इनका इस्तेमाल ग्राहकों को दी जाने वाली सेवाओं में भी किया जा रहा है। ट्राई ने कहा कि इसके साथ कुछ नए खतरे भी सामने आ रहे हैं। ट्राई का कहना है कि अगर एआई तंत्र को बिना ठीक से जांचे इस्तेमाल किया गया या उसके काम पर नजर नहीं रखी गई, तो इससे नेटवर्क और ग्राहकों दोनों को नुकसान हो सकता है।

सिग्नेचर ग्लोबल को 496 करोड़ रु. का ठेका मिला

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में अपनी आवासीय परियोजना 'टोनिनो लैम्बोर्गिनी रेजिडेंसेज' के निर्माण के लिए बीएल कश्यप ऐंड संस लिमिटेड को करीब 496 करोड़ रुपये का ठेका दिया है। कंपनी के बयान के अनुसार, गुरुग्राम के सेक्टर 71 स्थित इस परियोजना में पांच आवासीय टावर के साथ वाणिज्यिक और अन्य सहायक इमारतों का निर्माण किया जाएगा। साउथ पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर स्थित 12.40 एकड़ में फैली इस परियोजना में कुल 812 आवासीय इकाइयां होंगी। *भाषा*

इस्तेमाल हो चुके मेडिकल उपकरणों पर रोक से बढ़ेगी लागत

सोहिनी दास
मुंबई, 30 अक्टूबर

देश के बड़े अस्पताल समू